वैदिक युग/ वैदिक सभ्यता

वैदिक युग/ वैदिक सभ्यता को वैदिक युग या वैदिक सभ्यता इसलिए कहा जाता है कि इस युग की सारी जानकारी वेदों के माध्यम से होती है। वेदों के भाव या अर्थ को समझने के लिए वेदांगो की रचना की गयी|

वेदांग का उदेश्य- वेदांग का उदेश्य था वैदिक साहित्य का संरक्षण, उनकी व्याख्या करना तथा व्यावहारिक प्रयोग के लिए वेदों को उपयोगी बनाना।

वेदांगो की कुल संख्या 6 है -

1. **शिक्षा** - शिक्षा को वेद की नाक कहा जाता है

शिक्षा से हमारा आशय ध्वनि शास्त्र/ ध्वनि उच्चारण शास्त्र, शिक्षा में मंत्रो के उच्चारण से सम्बन्धित बातों का अध्ययन किया जाता है।

2. **कल्प** - कल्प को वेद का हाथ कहा जाता है।

कल्प में वैदिक कर्मकाण्डो को सम्पन्न करने वाले विधिनियमों का वर्णन किया गया है। यह तीन भागों में बंटा है-

(i) श्रौत सूत्र – श्रौत सूत्र का एक भाग शुल्व सूत्र है। जिसमे रेखागणित,बीजगणित ज्यामितीय का उल्लेख है।

(ii) गृह सूत्र – गृह सूत्र में गृहस्थ जीवन के बारे में उल्लेख किया गया है

(iii) धर्म सूत्र - धर्म सूत्र में राजनीति व धर्म के बारे में उल्लेख किया गया है।

Video/Live Classes Mock Test Series Discussion Forum

"भीड़ हमेशा आसान रास्ते पर चलती है, जरुरी नहीं वो सही है। अपने रास्ते खुद चुनिए, आपको आपसे बेहतर और कोई नहीं जानता।"

3. **निरुक्त** - निरुक्त को वेद का कान कहा जाता है।

निरुक्त से हमारा आशय है- शब्दों की उत्पत्ति।

4. **व्याकरण -** व्याकरण को वेद का मुख कहा जाता है।

व्याकरण से हमारा आशय है सन्धि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय।

5. **ज्योतिष -** ज्योतिष को वेद की आँख कहा जाता है।

ज्योतिष के विकास में इस वेद का महत्वपूर्ण स्थान है।

6. **छन्द -** छन्द को वेद का पैर कहा जाता है।

वैदिक साहित्य में जगती, त्रिष्टुप्, गायत्री जैसे छन्दों का उल्लेख किया गया है।

Visit on:-https://youtu.be/-ws8Bw80fBo

#Vaidik Yug #जानिए क्या हैं वेदांग# प्राचीन भारत का इतिहास# वैदिक काल (युग)

OBLYPREPS

Sharing Is Caring
If you found it useful, don't forget to share your friends.

Video/Live Classes Mock Test Series Discussion Forum

"भीड़ हमेशा आसान रास्ते पर चलती है, जरुरी नहीं वो सही है। अपने रास्ते खुद चुनिए, आपको आपसे बेहतर और कोई नहीं जानता।"